भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर

कार्य पत्रिका - अर्थग्रहण

कक्षा - 10

नाम ———————— **अनुक्रमांक** ——— **दिनांक** — मई २०१५

नीचे लिखे पद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।
जगती के मन को खींच-खींच,
निज छवि के रस से सींच-सींच
जल कन्याएँ भोली अजान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।
प्रातः समीर से हो अधीर,
छूकर पल-पल उल्लसित तीर,
कुसुमावलि-सी पुलकित महान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।
संध्या से पाकर रुचिर रंग,
करती-सी शत सुर-चाप भंग,
हिलतीं नव तरु-दल के समान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।
करतल-गत कर नभ की विभूति,
पाकर शशि से सुषमानुभूति,
तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान,
सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

(क) 'कवि ने लहरों में मानवीय संभावनाओं को चित्रित किया है।' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) कवि ने लहरों की तुलना किस-किससे की है ? 2

(ग) लहरों को कवि ने जल कन्याएँ क्यों कहा है ? 2

(घ) 'तारावलि-सी मृदु दीप्तिमान'—इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। 1